



स्पन्दन

भास कोंकणी आवसु आमची। लिपि देवनागरी उडगासु दवराची।।



“स्पन्दन - कोंकणी साहित्याचे पुष्कळं”



केरळ कोंकणी अकादमी
कोच्ची

रुपया पाँच
मात्र



VANITHA RESEARCH BASED AYURVEDIC MEDICINES

LIPIDO CAP

TO CONTROL BLOOD CHOLESTEROL



A Combination 12 herbs (Garlic as base)
Is most effective ayurvedic Medicine which will reduce the blood
Cholesterol from 30 to 45 unit / month Without any side effect
and is most Economically priced

ASMARI CAP

FOR ALL TYPES OF URINE STONES



It Improves urinary functions.
It removes stone by bio disintegration

DIAB-MIX & MEHA MIX

TO CONTROL AND
PREVENT DIABETES



Clinically tested and proved
for a long time use without
any side effect.

ARTHRO CAP

FOR ARTHRITIS PAIN



Controls Inflammation. Reduces swelling & Tenderness
Relieves pain & restores mobility Stimulate uric acid excretion
Relaxes involuntary muscle tissue Continues use of this medicine
Shows good results Good for prolonged use

EXPORT ENQUIRES WELCOME

ALL NATURAL ACTIVE INGREDIENTS
ECO-FRIENDLY PROCESS ARE USED IN MANUFACTURING



Mfd by:

AYUR RESEARCH CENTRE

ISO & GMP Certified Company
Tripunithura - 682 306, Kerala

Tel: 0484-2785023, 3931281

E-mail: vanithaayurvedics@vsnl.net

www.vanithaayurvedics.com

ISO 9001
2008

100% pure & natural

मुखेल संपादक
सुरेश ए. शेणै

उप संपादक
पी. मनोहर

कोशाधिकारि
आर. के. प्रकाश

वांगडी
जी. मोहन राव

न्यायोपदेशक
अड.बी.एन. वसन्त कुमार

प्रचार-प्रसार
टी. आर. सदानन्द भट

Graphics by :
K. Santhosh
Mob : 9895212521

मुखचित्र : "ओणवूक्कळम्"। ओणम - केरळान्तुले प्रधान
आघोष। सर्व जनय एकमेळीन सुखसमुद्दीन राबून आसीले
एक कालाचे उडगासु कोनू केरळचे जनानि पुरा लोकांतु। रेवयवि
आवरण कोचें आघोष। "वूक्कळम्" हो आचरणचो मागु। रेवयवि
प्रीति जाणु मानून घेताय। (दृश्य - सुजित शेणै, कळ्ळी)

लेखनान्तुली मतां त्या
त्या बरोवप्यांची

प्रति - ₹ 5/-
वार्षिक - ₹ 60/-

स्पन्दन

प्रकाशन : केरळ कोंकणी अकादमी, कोच्ची

SPANDAN

Published by :

KERALA KONKANI ACADEMY

8/28, 'Santhery', 1st Floor,

Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road,
Cochin - 682 002. Mobile : 94477 35849

Email : keralakonkaniacademy@gmail.com



खंड : 2

अंक : 12

1934 भाद्रपद

संपादकीय

तुमचे 'स्पन्दन' मासिकेक ह्ये अंकान दोन वर्ष पुर्तें जत्ता। कोंकणी प्रेम्यानी 'स्पन्दन' स्वीकार केल्लें म्हळेले कार्य आमका व्होडु सन्तोष दिता। सान चेडूवें थाकून ज्ञानवृद्धजन थांय स्पन्दनारि बरेयताय। सान पुस्तक जाल्यारीयि एकेक म्हैन्याकय 20-25 जनांक एकड कोरुंक आमकां जत्ता। आनुकालिक खबरें, काणी, कविता, आत्मीय, पाचक, संगीत स्वरसुधा, अज्जेलीं ओकदां, आळें, भुरग्याली काणियो, स्मरण, चित्रकथा, रस्पति इत्याक सर्व विषयां पसूनूयि स्पन्दनार वचूयात। केरळचे पुरा गाँवान्तुले बरोवपी - गोवा, मुम्बई, दिल्ली, षोलापूर, कारवार, बाँगळूर असी भारतान्तुले पुरा गाँवान्तुलेय बरोवपी आमचे लागी सहकार दिताय।

स्पन्दन, केरळ कोंकणी अकादमी, गोश्रीचैतन्य हांचे सहकारान, गाँव गाँवान्तु कोंकणी पुस्तकांचि प्रदर्शनी चमकेयता। जनाले आत्मार्थ सहकार आमकां मुक्कारि वच्चाक प्रचोदन दिता। आमकां विज्ञापन दीवु सहकार कोचें, प्रदर्शनी घडोवपाक सहाय कोचें, सर्वय स्पन्दनाले शुभकांक्षी जनांक आमचे धन्यवाद। मुक्कारीयि ह्यो सहकार आस्तलो म्हणु आमी विश्वासु पावताय।

खंचेय पुस्तकाचे फटिबल म्हळ्यार ताजे वाचपेली। तांका इतुलेय धन्यवाद सांगल्यार नुपूरो। सर्व कोंकणी प्रेम्यांक आमचो धन्यवाद। मुक्कारीयि सर्वांलोय सहकारु जाँव्का म्हणु मागून घेताय।

कोच्ची, 01-09-2012

सुरेश ए. शेणै, मुखेल संपादक.

© 1994 M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road, Cochin - 682 002



ESTD 1994

माळखीन (ए) माळकण्ट (रज्जि.)

(Controlled by Consumer Protection & Guidance Society, Regn. No. T.477/93)

1/1670 A,B,C, അമലവന, കൊച്ചി - 682 001

Phone : 3927067, 96050 90909, 99954 05866

ALL MAJOR CREDIT & DEBIT CARDS ACCEPTED

HOME
DELIVERY

केरळचे भुर्याक खातीर, सुवर्णरेखा पब्लिकेशन, कोच्चीनांत उजवाडाक हाळोलो “कोंकणी अक्षरमाला” म्हळेलो पुस्तक आगस्ट 5 तारिकेक प्रकाशन केलो। अक्षरमाला, मलयाळम आनी देवनागरी लिपीन बरेयला। शब्दय, मलयाळम अणकारय (चित्र सहित) आसा। हांगा केरळचे जनांक व्होडु प्रयोजन मेळतोलो। पुस्तकाचे रचयिता आसा आर. एस. भास्कर।

केरळान्तु थाकून कोंकणीन्तुले प्रथम ब्लोग (Blog) देवल्यां। आर. के. प्रकाश हांगेले कोंकणी कथा अनी कविता हान्तु वाचूक मेळता। “www.mallamam.in” ह्ये सैट्टारि तुमका ह्यें वाचूयात। आर. के. प्रकाशाक स्पन्दनाले अभिनन्दन।

केरळची आनन्दी माँयीले तीन ब्लोग आसा जल्यारीयि तें पूरा मुम्बई थाकून चालु आसा।

<http://anandimumbai.blogspot.com>

<http://konkani-kaniyo-in-nagri.blogspot>

<http://konkani-kaniyo.blogspot.com> (Malayalam Script)

डॉ. माधवी सरदेसायान बरयिल्ल्या “मंथन” पुस्तकाचे विमोचन फा. मोईझिन्य द आताईद हांचे हाथान गोवान्तु चमकीलें।

“कोडियाल खबर” हांची सामूहिक प्रवर्तनाक अस्सिल्ले सारस्वत युवा पुरस्कार - 2012 कोच्चीचे अनुग्रहा चारिटबल ट्रस्ट हाँका फाव जल्या।



Beta version of Konkani transliteration software released

Mangalore, 11 Aug 2012 : Five-different scripts for Konkani and four on board the Konkannerter - the first Konkani script conversion utility that was dedicated for universal use today. This sums up efforts by Team

Vishwa Konkani at World Konkani Centre to bridge the script row and tear down walls that is keeping literature written in Devanagari, Romi, Kannada, Malayalam and Perso-Arabic from being read and appreciated by users of the other script.

This free to use beta version of the software can be accessed on www.konkanverter.com

The software has given the opportunity to bring four out of five different scripts used for the language on to a common platform and the fifth script - the Perso-Arabic script used extensively by the Navayaths of Bhatkal will be on board soon.

With best compliments from :

Mob : 9249994339

PUFNASHREE STORES

YNP Trust Road, Koovapadam, Cochin - 682 002

Footwear, Ladies Fancy Items and School Stationery

केरळचे बरोवप्याँ लगी

केरळ कोंकणी अकादमी प्रतिवर्ष "पंडरिनाथ भुवनेन्द्र पुरस्कार" दीनु एतायि। २०१२ चे पुरस्काराक लघु गद्य कृती पेटोनु दिंव्याक अपेक्षा करताय।

☞ केरळचे बरोवप्याँक तँ यें गद्य सर्त।

☞ काणी, नाटक, प्रबन्ध, यात्रा विवरण - इत्यादि २० पन्ना पसी (20 Full scap papers) चड जंव्या नज्ज।

☞ पन्नाचे एक भागान मात्र बोरोंव्का।

☞ बरोवप्यालें नांव, पत्तो आदी वेगळेचि पन्नार बोरोंनु कृती लगी दवोर्का।

☞ कृती मेळका जल्लेली अंतिम तारिक - २०१२ सेप्टम्बर ३०.

☞ कृती देवनागरीन जांव्का बोरोंव्का।

☞ पेटोनु दीव्का जल्लोलो पत्तो - श्री जी. मोहन रावु, सन्केतं, IX 1110 B, अजन्ता लेन, कोच्ची - २.

5-8-2012, मंगळूर - 'त्रिभाषा संग' सी.डी. बस्तिवामन शेणै हात्रि उजवाडायलें। टागोर दास हात्रि बोरोंनु संगीत दिल्लेले ह्यें तीन भाषेचे गीन्त एकडे केल्लेले - कोंकणी, कन्नड अनि मराठी।



मडगाँव : नीला तेलंग हांगेले "शून्यतल्यान शून्याकडेन" (कविता समाहार) आनि किरण माम्ब्रे हांगेले "अनपेक्षित" (कथा समाहार) ये दोनि पुस्तकांचे प्रकाशन जल्या।



एलमक्करा श्री शंकर विद्यालयान चमकेयलेले जिल्लातला चित्ररचना सर्तंतु यू.पी. विभागान्तु प्रथम स्थान मेळ्ळेली कुमारी अक्षरा रमेश - फोर्टकोच्ची सेन्ट मेरीस आँग्लो इन्डियन स्कूळान्तु (पाँचवे क्लास) सिकता.

With best compliments from :

V. Balakrishna Pai
V. Narayana Pai



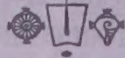
PAI'S



Palace Road, Kochi - 682 002. Tel : 2222789 Res : 2222663 Mob : 93877 87081

Lottery Agency & Flower Merchants

श्री वेंकटेश विजय



संक्षिप्त विवर्तन
डॉ. स्वर्णलता जी. पै, गोश्रीपुरं.

परमात्माले पायां थाकूनु भागीरथीलो उत्भवु जाल्लो। त्या नारायणालो पायु धुंवचाक भाग्य आकाशरायाक मेळ्ळे। मागिरी वस्त्राभरणानी जगन्मोहनाक मान दिल्लो। जो वेदाचो निर्मिता ताक्का रायु यज्ञोपवीत घालता। मुहूर्त समय लागी पांवचाक ओली धोरुं पत्मावतीक मंडपांतु हाळ्ळी।

देवाचार्य (रायालो पुरोहितु) चेल्येले गोत्र उच्चार करता। अत्रिगोत्रांतु जाल्लेली - सुधर्माली प्रपौत्री, शुशर्मरायाली पौत्री, आकाशरायाली पुत्री पद्मावती नावाची कन्या स्वीकार करी नारायणा। मागिरी वरा कडे पुरोहित, वसिष्ठ, वराले गोत्र उच्चार करता। ययातिरायालो प्रपौत्र, शूरसेन रायालो पौत्र, वसुदेवालो पुत्र वसिष्ठ गोत्रोत्पन्न श्री वेंकटेशनाम वर - हे म्होणु ओली दूर काडताई। मन्त्राक्षत घेवु जगन्नाथ पद्मावतीले मस्तकारी घालता आनी तिगेले मात्यारी आपण्यालो वरदहस्त दवर्ता। देव पुष्पवृष्टि करताई। सकडई अक्षत घालताई। वाद्य जोरारी वाज्जत जयजयकार घाल्लो। भांडरां थकून रायान हात भोरुं ब्राह्मणांक दक्षिणा दिल्ली। वरदक्षिणा जालु एक सुन्दर सुवर्णाचे किरीट वेंकटेशाक दिता। रत्नाभरण घाल्लेले घोडे, हस्ती आनी रथ, दास दासी दिल्ले। यथाविधि कन्यादान जात्तरि नारायणान आपण्याले हातान मंगलसूत्र बांधिलें। ("आत्महस्ते नारायणे मंगळसूत्र बांधिले")। मागिरी वधूवर लाजाहोमा लगी बेसून होम, सप्तपदी इत्यादि देवविधि शास्त्रप्रमाणे केल्ली। ते जत्तरी भंगरा माणायेरी सकडांक बेसोवु रंगोली घालु, दिवली दोवोरुं (रत्नमय) भांगरा वाठ्यांतु सकडांक वळ्ळे।

"जो जगदात्मा आदिनारायण तेथे कोणता पदार्थ नव्हे न्यून अष्टसिद्धी राबती पूर्ण हरिइच्छेकरुनिया।।"

"खंडीकी जगदात्मा आदिनारायण आस्स थांगा खंचो पदार्थ उणे जायना। अष्टसिद्धि हरि इच्छेन थांगा राबतल्यो। ते देकुनु सर्व संतोषान जेवले। बायल्याल्या फांतींतु पद्मावती समेत सर्वोत्तम जेवचा बेसलो। तांतु मुख्य बकुला, लक्ष्मी, सावित्री, पार्वती, गायत्री, सरस्वती, शची, आनी अरुंधती बेसल्यो। रुप्यापशी धवे शीत, भंगरावर्णा वरण (तोय), पांचतराचे परमात्र, साठी तरा रांदयां, केशर कस्तूरी युक्त मांडे, बूंदी, फेणोरी, मुळीक, जिलेबी, मोतीचूर उंडो, नानातराचे कोशिंबिर (Salad) तरातराचे पक्वान्न। ह्या रंदपा वर्णना कोणाकई कोरु जायना। (...शेष लगी अंकान्तु)

With best compliments from :

PHONE : 9961473437

SRI VENKATESHWARA BHAVAN

(VEGETARIAN HOTEL)

S. V. S. S. BUILDING, R. G. PAI ROAD,
CHERLAI BAZAR, KOCHI - 2

**मायामाळवगौळाचे
(जण्डवरिशकळाचे) मगिरचे स्वर**

15. ससस रिरिरि गग

सस रिरि गग मम

रिरिरि गगग मम

रिरि गग मम पप

गगग ममम पप

गग मम पप धध

ममम पपप धध

मम पप धध निनि

पपप धधध निनि

पप धध निनि सस

ससस निनिनि धध

सस निनि धध पप

निनिनि धधध पप

निनि धध पप मम

संगीत स्वर माधुरि - ८



आर. मोहन कम्मत, कोच्ची

जोते

- सुनील पालकार, नावशी, गोंय

तांकां हुलपतना पळेल्ले आजून जीते आसा

तांचें आनी आमचें अतुट नातें आसा

सतेज दोळ्यानी त्यां लखलखताले भाव

काळजानी तांचे स्थान वर्तें आसा

अणभवल्ले जाणां धगीच्यो असह्य वेधना

तें योगदान समाजाचें माथें आसा

काळ सरता तश्यो गळून पडटा यादि

काळाच्या पड्ड्याकूय अदृश्य बोंथे आसा

अनीती ब्रश्टाकारी सहज कोण सुटना

मड्डून पीठ करुंक संवसाराचें दातें आसा

सत्तेच्या आशिर्वादान नियम मोडले जायत्यानी

अत्र्यायाचेर म्होखून मारुंक पायांत जोतें आसा

आंग - ७३१०० - Body

- सैलेष कम्मत एम, कोच्ची

मुटु - മുട്ട - Knee

सालि - തോൽ - Skin

दांतु - പല്ല - Tooth

पावल - പാദ - Foot

हाड - എല്ല - Bone

रगत - ചോര - Blood

बोंबूलि - നാडी - Navel

फाटि - പുറ - Back

पोट - വയർ - Stomach

बालगीत अंबो - एंबो

- भक्ता आर. काजंगाड

गोड गोड अंबो

अंब्या रुकार एंबो

अंबो काडूं चडतना

एंबो चाबून खाता.

With best compliments from :

KARTHIKA TIMBER TRADERS

Timber Merchants & Commission Agents

9/1006 (9/1004 B-New) Anakettu Parambu, Pandikudy Road, Cochin - 682 002

Ernakulam (Dist), Kerala E-mail : karthika_2008@vsnl.net

Suppliers & Manufacturers of Rubber Wood Packing Cases and Materials.

R. Venkateswara Pai

Mob : 9847200121

9656210695

Ph : 0484 2210695

With best compliments from :

AMBIS RESTAURANT

CC. 8/1216 A, T. D. North Gate, Kochi - 2

Prop : R. KRISHNAKUMAR NAIK

Ph : 9388505339, 8089138081

Sister Concern :

AMBI'S DISTRIBUTORS

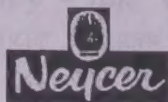
CC. 8/1216, T. D. North Gate, Kochi - 2.

With best compliments from :

S. Sudhakar Shenoy
(Proprietor)

A Trusted name in Sanitary
Since 1980

SUDHAKAR SANITARY



Alfa Gardens, XL/ 8748 A,
Sreenivasamallan Road,
Ernakulam, Kochi - 682 035.

Ph : 2367687, 3042599

Fax : 2369055 Res : 2362550

E-mail : sudhakarsanitary@yahoo.com

Authorised Distributors :

**Neycer Sanitary Ware, PVC Pipes & Fittings,
'M' brand G. I. & Brass Fittings & C. P. Bathroom Fittings,
Water Meters of Anand Zenner, Valves & Cocks etc.**

कौतुक लोक

गणपति पणस



विघ्नविनाशक विनायकाले
दीसु 'विनायक चतुर्थी' सकळे
भारतान्तु आघोषान आचरण
करताय। प्रकृती 'विनाचौवति'
आघोष करपाचो एक नमूना।
आभार - फेसबुक

कोंकणी मेजूक सिख्ख्या

- ए. आर. प्रभु, कोच्ची

- | | |
|--------------|---------------|
| 11 - इखरा | 16 - सोळा |
| 12 - बारा | 17 - सत्तेरा |
| 13 - तेरा | 18 - आषा |
| 14 - चौधा | 19 - इक्कूणीस |
| 15 - पत्रेरा | 20 - वीस * |

मनीश - मशीन

(एकी कविता)

- एन. एन. अनन्दन, अंचिकमळ

मनीशान आतां मशीन केलें;
काम ताजान उणे जलें!
ई - बांकिंग आनी ई - बिसिनेस;
ई - पत्र आनी ई - पुस्तक;
ई - वाचप आनी ई - सीखवण;
ई - चलप आनी ई - बरवप;
ई - तान आनी ई - भूख;
ई - खाण आनी ई - जेवण;
ई - नीद आनी ई - जाग्रण;
काम जनांक उणे जालें;
ई - निमित्तान छी जालें !
मशीन आतां मनीश जालें !!
मशीन मात मनीश नात;
मशीन मात मनीश नात !!!



विधिचो विचित्र खेळु

- के. अनन्त भट्ट, कोच्ची

कोणाक कळता विधिचो विचित्र खेळु।
जाणतना-नेणतना भोगचाक मेळता, बरो-वायटु तो वेळु।।पल्लवी।।
एक भागाक तो व्हार्डिके मुहूर्तु, वत्ता व्हार्डिके होराण।
हेकडे-तेकडे मरणयि पावंता, रहस्य तें कोण जाण।।१।।
श्रीमंतु एकलो दुर्बळो दुसरो, जगांतु जीवन काडता।
प्रेमु अथवा द्वेष भावना, बरें-वायट फल हाडता।।२।।
हांवयि-तूंवयि वेळा वशान्तु, जीवन यात्रा करताति।
भावी प्रबल ती समझले मानव, मनांतु धैर्य धरताति।।३।।



With best compliments from :

Phone : 9847275478

COCHIN VINYLs

8/1813, Town Hall Road, Koovappadam, Cochin - 2

Mfrs. of : POLYTHENE BAGS, SHEETS, COLOUR TUBINGS, L.D. GROCERY COVERS,
BLACK GARBAGE BAGS (1ST QUALITY), H. M. GROCERY COVERS, H. M. SILKY SHEETS
& L.D. RUBBER RAINGUARDING SHEETS

जीवन्मुक्ति

- वी. सुरेश शेणेय, कोच्ची

चिन्तन करिरे तूँ मनुष्या
चिन्तन करिरे तूँ
एक निमिषाक - एकाग्र जालु
चिन्तन करिरे तूँ.

अवसूले गर्भान्तु जन्मु तूँ घेतलो
आनन्दान रोणु भूमीरि पावलो
आवसु-बप्सूले स्नेहान वड्डलो
आदर्श घेवनु लोकान्तु भोवलो.

इत्याक एयला सुन्दर लोकान्तु
सत्याक मोल ना मू ये लोकान्तु
धर्म तो खाल कपट ये लोकान्तु
अधर्म वाड्डता ये कलियुगान्तु.

सुखान अस्तना बान्धव तीं एताय
हस्सूनु तुझेरि मोगु तीं करताय
दुःखान रडतना घूवनु तीं चोयनाय
हस्सूनु तुझेरि वायट मू हाडताय.

उलेयत्ताय सर्वय तीं तत्व-जल्यारि
कोर्चे तें तत्री अपूर्व
ना जत्ता तंचेरि मनुष्यत्व - तुक्का
फोन्डान्तु घल्लति तीं व्यक्त.

जीवन कोरुक खरिं तुक्का शक्ति
ये जीवितान्तु मेळना मू मुक्ति
भुन्जून भोळारि खंय तुक्का गति
कर्मान्तुलें भोगूचें तुगेलि विधि.



श्री शरतचंद्र शेणै विरचित अष्टोत्तरी

श्रीकृष्णकथासुधा

(श्लोक ८६ ते ९०)

इष्ट, बंधु आनी गुरुजनांक
मारचें कशी, कसल्याक वृथा ?
खेद विषाद जालो अर्जुनाक
बेसलो निर्जुळ पावनु व्यथा (८६)

कृष्ण म्हण्टा - रे, धर्मयुद्ध हें
क्षात्रवीर तूँ उठ धनुर्धरा
सोडी विचार दुर्बलतेचे,
उखल गांडीव शत्रुहरा (८७)

देव दिता तें ज्ञान सुयोग्य
विश्वरूप पळोवंचें भाग्य
पार्थ समजता दैवनिश्चित
कितें नश्वर, कितें शाश्वत (८८)

कसलेंच आयुध ना घेतलें
कृष्णान अत्मुत रचलेलें
आषा दिसांचें धर्मयुद्ध तें
घटिके घटिकेन घडयलेलें (८९)

सत्यधर्माचे पांडवरक्षक
पावलो सदा तो पावटी अनेक
वैष्णवास्त्र घेतलें हर्द्वारि
पुष्पहार तो जालो गळ्यारि (९०)

WITH BEST COMPLIMENTS FROM :

36 PAI BROTHERS
Varieties of Dosas

PAI BROTHERS LINE

M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN - 682 035

Prop : P. S. PAI, P. P. PAI,
PRADEEP, SUMESH

Ph : 0484 2374879
Res : 0484 2365434
Mob : 99955 66778



Dr. P. N. N. सिंह
डॉ. प्रश्नु ना नरसिंह
 SSLC, PDC, BSc,
 MBBS (3 times)

माधव : डॉक्टर, मिजे नंकाक प्रश्नु त !
 केन्नाय घाणि दिस्ता।

डॉक्टर - प्रश्नु ना, नांका खल्लाक कत्तो
 सरी आसाली मीशि पर घल्यारि पूरो।
 मगीरि परमोलु त आस्तलो।

* * * *

राजा : डॉक्टर, मृत्यु उपरान्ते हॉव खंचो
 जन्मु घेतोलो?

डॉक्टर - प्रश्नु ना, मुर्थमले जन्मान्तु
 आसीलेचि त तुक्का मेळूक साध्यता,
 गडव !

परणी म्हण्णी

- श्रीदेवी सुरेश प्रभु, कोच्ची

- ॥ हस्तेले न्हाण सी।
 ॥ अस्सुच्चे वेळार दोळ्याचे मोल
 कोळना।
 ॥ कासु दीन्नु लासु घेवप।
 ॥ कळकान्तु कैल्लेले उजवाडान्तु एता।
 ॥ इष्ट गाराल्लें बरलेन कोवें सगटयि
 कष्ट। (वायट)

आळें (कसळम / Riddles)

- के. पुरुषोत्तम पै, कोच्ची

मत्तेरि मर्लेरि जीब भायर कडता तें
 दुसेरि मर्लेरि कडता भित्तेरि।
 जांवका जल्लेलें तें सर्वय संगता
 जल्यारि शब्द तें कांय पुणि करना।
 बन्धूले हर्देरि बेसून भोंवता तें
 गांव गावान्तु सर्वत्र भोवनु जावनु
 विश्रमा वेळारि तोण्डाक तोपि घालनु
 उल्लोवनतिलें तें पोडतेकडे
 कोण ते म्होणु सांगाय बालानो
 बुध्येन चिन्तन कोर्नु।।

डोटपेन

कान सोडून आयकाय (शर बटपदि)

- नागेश अणवेकर, कारवार

पतून पळेयायि चमकले वाट तीं
 वर्तन बहलुक मार्गजत
 कर्ताति चुकून अवगुण वाडतना
 भोर्तलें जीवनान्तु अपकीर्ती
 उत्राक मोलय चुकनाशि राकून
 उत्तम मनुष्य नांव घेव्यां।

3/ तीनि - गोश्रीपुरं हरिकुमार, कोच्ची

दान दिंव्चे वेळार तीनि कार्य चोंक्का -
 देश, काल, पात्र
 श्रीराचे तीनि घट्ट - वाडि, सुस्थिति,
 क्षय
 तीनि काल - भूत, वर्तमान, भावि

With best Compliments from :

PRABHUS BOOKS

Ayurveda College Jn.,
 Old Sreekantheswaram Road,
 Trivandrum - 695 001.
 Phone : 2478397, 2473496
 Fax : 91-471-2473496



PRABHUS BOOKS (Big Books)

Prabhus Complex,
 Near Chettikulangara Devi Temple
 Trivandrum - 695 001
 Ph : 0471-2479586, 3010680-3010684

E mail : prabhusbooks@sancharnet.in
 Web : www.prabhusbooks.com

निस्सहाय

- कुमारि अञ्जली किणी, कोच्ची

वट्टेवेलान वत्ताय वाहन
वारां जल्लीं आठ जानु बावन
राति जत्ता वेळु तव्वळि
दिक्कीलि हाँव दुःखाचि सावळि।

गय्यो रब्बिल्यांय भण्डचेचे उंचार
अस्साय तीं धा-बारा सुमार।
हल्लूक तंका ना तन्तु स्थल
गोंटेरि बड्डी एकि घल्ता ती बल।

एकि गाय मक्का चोयता जल्ली
तोण्डारि चांग चैतन्य अस्सिल्ली।
दुःखान भर्लेले तिज्जे दोळे दिक्कूनु
व्हळ्ळे उदाक मेज्जे दोळ्यान्तु थकूनु।

चोवु तिज्जे तोण्डावेलो भावु
ती म्हणता मदीन जल्लो अणभवु।
“करि गो मेज्जे तू रक्षण,
लगि पवले मेज्जे ते मरण।

दीस दोनि जल्ले अस्स भुक्केन
रब्बूकेय जायना गो मक्का दुक्केन
मक्का आनी मेज्जे ह्ये बान्धवांक
व्हर्ताय हन्नी अंचे जीव घेंचाक।

सन्त सन्त गोंटेरि सुरि झोरोवु
प्राण सोणु वच्चे भितरि रोडोवु
दुक्कोवु दुक्कोवु मारुक व्हरताय
चोयगो कस्सले दुष्कर्म करताय।”

दुष्टु तो मानवु दानवु जल्ला
पाप कोर्नु नाशु हाडूक सरला।
गाय ती अंका दूध दिंची आवसू
हरता मानवु तिगेलोय श्वासु।

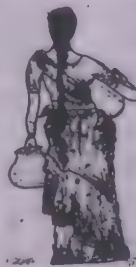
कोणालि पुज्जा अमि करताय नित्य
तेचि हत्तान करताय तिज्जी हत्या
निर्दोष ते प्राण्याक कत्तरताय
निर्लेज्ज तिज्जे मांस भोर्नु खत्ताय।

ह्ये हांव आठोवु रब्बिल्ले वेळेरि
सरली ते दुष्टालि भाण्डि मुक्कारि
निस्सहाय जानु चोवु रब्बीली
नेण्णता पापाचे भागु हांव जल्ली।

चेडुवांलि चित्रं

कुमारि ए. नन्दना, कोच्ची (९ वर्ष)
(श्रीमति अनि श्री. अजोय दयानन्द
हांगेली सुपुत्री)

(चेडुवानि सोडवांचि
चित्रं अम्मि हन्तु घलताति)



With best compliments from :

Proprietor :
Sivaram B. Prabhu

Phone : 0484 - 2381342

Mob : 98470 56521

PRABHU'S Banana

Wholesale Banana Merchant

Basin Road, Ernakulam, Kochi 682 035

कुव्याँ
पिट्टीये दुड्ढी

बायलाँ खातिर (ददल्यांकय) - पत्मजा कामत, दिल्ली सामग्री

1. कुव्याँ पिट्टी -	1 कप	4. नर्ला सोई -	¼ कप
2. दूध -	1 कप	5. एळु -	3 सांग
3. पयंदार (शक्कर) -	1 कप	6. तूप -	2 चिपट

प्रथमचि, कुव्याँ पिट्टी सेळ उदकान्तु पत्रेरा मिनिटांक घालनु सोडका। नन्तर चांग प्रमाणी वाळावु लुगटान्तु / चाळिन्तु घाळनु काडका। रेंव, सल्ली कुट्टेके या इतरवस्तु पिट्टीयांतु थक्कून पेल्याँ घालूक त् ये घाळावप। शुद्धि केल्लेली यी पिट्टी दुस्सेरीय उदकान्तु घालनु धा-पत्रेरा मिनिटांक सोडका। जत्तना वाळावु निवाळून उदाक पेल्ल्यान घालका। अस्सि तीन-चार फन्ता पिट्टी निवाळवून शुद्धि कोर्नु काडका। पिट्टीये मत्त (चवर्प) पेल्याँ घालूक त् यी प्रक्रिया।

शुद्धि कोर्नु जल्लेली पिट्टी दूध अनि शक्कर मेळोवु सिज्जोव्का। सिज्जोवु सुक्के पीट जत्तना नर्ला सोई तन्तु मेळोवका (पीट सुक्के जत्तना एक चिपट तूप मेळोवु चाळायता रब्बूका (पीट कोर्पूनतिलें रब्बूक)। एक वट्याक तूप सारोवु तन्तु पीट घालनु पतलांका। एळा साँग पिट्टी कोर्नु अज्जे उंच्यारी घालका। नीवु जत्तरी कुट्टेके कोर्नु खवचांक काडयात।

भारी प्रयत्नु अस्सिले जल्यारि अति स्वादिष्ट अनि आरोग्यप्रद जावु अस्सिले एक उत्तम विभव त् ये।

औषध प्रक्ति - 7

**अज्जेलीं वोवकदा
(मुत्तरिश वैद्य)**

सुशीला टी. भट्ट, कोच्ची

स्थनांक दूद जवंचे खातीरीय, गर्भावस्थेरी चेरडाले जनना समयारी सग एवंचें आरोग्या नष्ट परिहरण कोर्नु, बाळांतीलें आरोग्य पूर्वाधिक चांग रुपान राखुच्वे बगेकय सग जावु तां ही बाळांती शुश्रूषा. कोड्या न्हाण नतिले दिस्सा ताळूव भरी तेल घालनु, केस्सांक, मत्या करडीक तेल पुस्सूनु न्हाणवप. दशमूलारिष्ट, मुस्तारिष्ट, जीरकारिष्ट इत्यादी अरिष्टंय, विदार्यादी, च्यवनप्राश, कूशमाण्ड रसायन इत्यादी लेह्येय बाळांतीक दीवप. सग जावु तीन मास पर्यन्त ही बाळांती - शुश्रूषा चमकतली. हाजान करतना ती पूर्ण आरोग्यवंती जातली. (...शेष लगी अंकान्तु)

With best compliments from :

Sri RajaRam Traders

Gift & Toy Shoppe

XL/3488, Sri Vasudeva Bldg, Jews Street, Ernakulam, Cochin - 682 031
Phone : 0484 2353520 E-mail : mailramz@yahoo.com

Ramanand Kamath
Mob : 096455 08525

WITH BEST COMPLIMENTS FROM :



ESTD. 1900

A. N. GUNA SHENOY & SON

Broadway, Ernakulam, Kochi - 682 031

*Dealers in :
Hardware, Paints & Fireworks*

With best compliments from :

V. R. PAI (BABU)



Venkatesh Stores

A/c. Books & Office Stationery

Broadway, Ernakulam
Kochi - 682 035.

Phone : 2366749, 4026595

उखलापी जीण

- इन्द्रजित गणपत घूले, सोलापूर

मनभुलोवण्या घसघशालगी बसून
ओडलायणे सैमाचे सुंदर रूप
नदरेन नियाळता
स्वताक विसरुन
जीणेचो सर्ग
मनांत सांबाळून दवरता.
हो नाद नाच आनी
खळखळाट
फुलापानांचो रंगयाळो
लखलखाट.
उखलापी जीव्याक
पाचव्याचार सुखाच्या
दवरण्यार दवरता
जीवाक सू जाता.
सांजेर सवर्णीं घोटेरांत
फुलां पानांत लिपून
सुरोगाद
म्हाळा मात आता
घरां वचूंक नज.

मनीस

- स्मिता संतोष गांवकर, केपें-गोंय

मनीस असो एक प्राणी
ताका समजून घेवप कठीण
तकलेंत सदां विचारमंथन
तुफानांचे गतीन
सांगत वतलो तत्वज्ञानां
संध मेळटा थंय
त्या तत्वांचें कर्तव्य पालन
आपले कुळयेक न्हय
आरते आशिल्लें परतुंकय
ज्युस्त ताका कळटा
मोह आनी लोभी वृत्तीचे
कांय-कांय पावटी जळटा
केन्ना कोणाची धुंवत मती
कशेंच जायना सागूंक
भखंराचें चिलकत धातलें
तरी मुश्कील जगुंक

केरळ-कर्नाटक कोंकणी - गुरुदत्त एस. प्रभु, कोच्ची

सबाव पळ्ळेली - अस्सीन्चि आड सर्लेलि
सबाव गोन्दोलु करता - नुस्तीन्चि गौजि घालता
सबाव अरलोलो - अस्सीन्चि अयलोलो
सबाव रोण्णक्का - नुस्तीन्चि रडशी
टुक्ळि सोडतोलो - बोडारि दित्तलो
गोंवटेक धोर्नु चिर्डप - गळ्याक गच्छी दीवप

आत्मीय

भोवरु एकेक फुल्लान्तु थकूनूय
ऊणे ऊणे म्होवु पित्तलो। म्होवु
मात्र पित्तलो। तस्सींचि सग
शास्त्रान्तु थकूनू सत्त मात्र
अम्मि स्वीकारु कोर्का म्होणु
हों दक्ता।

With best compliments from :

S.R.T. Distributors Pvt. Ltd.

Sree Ram Building, 40/7340-A,

T. D. West Road, Ernakulam, Kochi - 682 035

E-mail : srtkochi35@hotmail.com

Tel: 4026465, 2355367

Fax: 0484 2367842

Cell : 94470 64515



Forming Sree Ram Stores - Estd. 1948

बावल्या काणी

- स्व. वत्सला आर. शोणै, पळ्ळूर



एकडे एक रायु आनीक तांगेली राणी आशिल्लीं. तांगेली व्हाडकीक जावु मस्त वर्षा जाल्लीं जाल्यारीय तांकां चेरडुवां जाल्लींनाय.

रायान जायते होम, पूजा सगट केल्लें. मागीर तांगेले कुटुंबपुरोहितान सांगून पुत्रकामेष्टी यागु पर्यान करयलो. जाल्यारीय चेरडुवां जायनाय.

राणी सदांच तांगेले कुलदेवी देवळांतु वोचून भोजून येतली. राणीयेचे ओटू तिजी एक विश्वस्त दासीत वतली. राणियेलें दुख दिकून दासीक सहन करूंक जायना.

राणियेक दुखांत साकून सुंटांवचाक इत्ती कि वाट म्होणु दासीन आलोचना केल्ली. तिका एक बुद्धी दिसली. हेरदूसा तीणे गोवा पीट कालोवु ताजान एक चेल्या चेरडा रूप केल्लें. तें तुपांतु तोळनु काडलें आनी पेंदारेचे पांकांतु घाल्लें. सांजे राणियेचे ओटू देवळान्तु वचे वेळार मोगर्यामाळा, चांप्या माळा सग व्होरचे भरसी तें बावलेंय दवरलें. फुला माळा दुर्गादेवीले गोमटेक घाली. नीवेदु म्होणु बावलें पोळेरांतु दवोरनु देवीचे मुकार दवरलें.

पूजा जावनु लोक सगट तांग तांगेले घरकडे गेल्ले. राणियेक व्होरनु रावळारांतूय सोडली. आनीक दासी देवळांतु निपून चडली. देवीले बिंबा मागल्यान नुतोच निपून बेसली.

राती जांवचानीक निवद्याक दवरलेल्याचो घमघम देवीले नांकांतु पावलो. देवीक ते बावल्याक खायीन म्होणु दिसलें. देवी अशीय तशीय चोयली. कोण ना म्होणु दिकून बावल्याक खेल्लो. खावनु जांवचानिक दासीन देवीले हाताक चोणू धरलो. “देवी, मिगेले चेल्याक तूंवें खेल्लो. होगी मिगेले चेल्याक परतून दी !” अशी तीणे देवीचे लागी होडान गौजां घालनु सांगूक आरांभीलें.

देवीक भय जालें. आनी इतें कि करप? देवीन होगी दासीले पोळेरांतु एक चंद चेल्या चेरडाक दवोरनु दिल्लो. वेगळी वाट आसा वे? गोंदोळु आयकून गांवकारां पांवचे भुरथम चेल्याकय घेवनु दासीक पेटेयली. दासीन संतोषान चेरडाक व्होरनु राणियेक दिल्लें. रायाक आनी राणियेक जाल्लेले संतोषाक लेक ना. तानी दासीक साबार द्रव्य दीवनु उपकार सांगील्लो.

	<p><i>With best compliments from .</i></p> <p>Abhishek Decoration</p> <p>T. D. WEST GATE, KOCHI - 682 002.</p> <p>Mob : 9446746474</p>	
--	--	--



जी. कमलम्माळ

- पय्यनूर रमेश पै

केरळांतलें कोंकणी साहित्यांत अत्यंत उज्वल एक नांव आसा जी. कमलम्माळ हिगेलें. ओवि रामायणाची लेखिका म्हूण विख्यात विद्वांस जुसे पिरेर हांणी आपणालें 'लिटरेरी कोंकणी - ए ब्रीफ हिस्टरी' ह्या पुस्तकांत तिजी परामर्श केल्या.

तिरुवल्ला गांवांत 1902-त जल्माक आयिल्ली तिका ल्हान प्रायेरीच व्हारडीक करून अंबलपळे ह्या गांवांत राबूका जालें. पुस्तकांचेर - विशिष्या पुराणांचेर - तिका भारी प्रीति आशीली आनी अनुवाचन तिगेली प्रीतिची संवय आशीली. बापूस गोविंद शेणै आनी बामूण सुब्राय पै हांगेलो प्रोत्साह मेळेल्यान तिका आपणालें "रघु रामायण" कोंकणींत बरोवंक जालें आनी मलयाळम लिपीन ताजो पयलो भाग "बालकांड" 1929-त छापून उजवाडावंक साध्य जालें. 28 पानांचें ह्या पुस्तकाक वकील ए. राम पैन प्रस्तावना बरयिल्ली. तांतु ताणे कमलम्माळाल्या साहित्यिक वाव्रा विशीं खूब तोखणाय केल्या.

उत्तर रामायण सहित रघुरामायण तीणे 1940 भितर पुरतें केलें तरीय तें उजवाडावंक खूब कळाव जालो. तिगेली कृती केरळाक सीमित जावचें न्हय म्हणु समझून घेवनु केरळ कोंकणी अकादमीन 1980-त मलयाळमांतल्यान देवनागरीक लिप्यंतर करून भायर काळ्ळें. कोंकणींत प्रचारांत आसूचें वेकटेश कल्याण आनी शोभाने गीत रागान कशी म्हणतात तशीच रघुरामायणाचेंय गायन सुश्राव्य जावनु करयेत. इतर भाशेची काव्यशैली अनुकरण करणातिल्लें आपणाली अस्मिताय तीणे निर्माण केली. 1978 वर्सा कोर्चींत जमिल्या अखिल भारतीय कोंकणी साहित्य परिशदेन तिजो भौमान केलो. 'सुशीलन' ह्या नांवाची दुसरी एक कृतीय तीणें बरयल्या, पुण ती मलयाळम भासेंत आसा. 'पात्रचरितम्' तिगेले अनियेक कोंकणी पुस्तक. 81 वर्साच्या जीणेचें आखेर ती 1983-त ह्या संसारांतल्यान मुक्ति पावली. शिक्षणा वाटेन महत्वाची साधना करुंक भाग्य मेळनातिल्या बायलांक कमलाम्माळाल्या रघुरामायणा वाटेन रामकाव्याची बरी वळख जाता. सर्वसामान्य लोकांक समझूचे तसले सरळ शब्द प्रयोग आनी धाटी उपयोग केलेल्यान रघुरामायणाक केन्नाय मोल आसतलें. तशें जावन समग्र कोंकणी साहित्याक कमलम्माळालें योगदान खूब महत्वाचें आसा.

With best compliments from :



**International
Marketing Co.**

AUTHORISED DISTRIBUTOR FOR **DELL** AND **SONY**

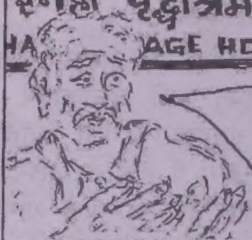
Dealers in Computers, Peripherals, Network Solutions

39/4755 A, IMC Tower, Madhavan Nair Road,
Ravipuram Jn., Ernakulam, Cochin - 16.
Tel : 0484-4135000, 4135001, 3018068,
3018067, 3018070, 3018069, 2374820
Fax : 0484 2374820
E-mail : imc@asianetonline.net

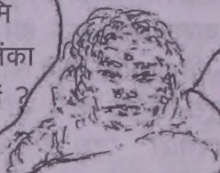
वेळु, रनेहु नत्तिलो लोळु

गोश्रीपुरं हरिकुमार

स्नेहा वृद्धाश्रम



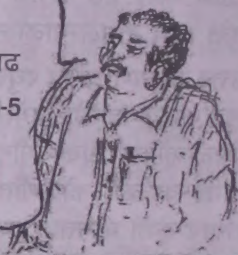
अम्मि
अस्सि वें तंका
वड्डेयलेलीं ?



इत्तूले दुड्ड तंगेले
बगेक चेलव (खर्चु)
कोर्नु अंका यी
गति।

स्नेहा वृद्धाश्रम

तुम्चेर स्नेहान न्हय्वें हंगा हाणु रब्बेला !
तुम्हीं तंगेले बगेक (खातिर) खर्चु केल्लेला पस्सी चढ
तीं तुम्गेले बगेक खर्चु कर्ताति म्हुँ। प्रति एकलाक 3-5
लक्षु तँ तन्नि भरला। तुम्हीं तंगेले बगेक केल्लोलो
खर्चु कितलो ?



Cradle	-	10,000
Day Care	-	15,000
Pre K.G.	-	15,000
L.K.G.	-	20,000
U.K.G.	-	20,000
-----	-	-----
-----	-	-----
-----	-	-----

तन्नि सान अस्सिले वेळार तुम्का वेळु
ना। अतँ तंका वेळु ना। इतँ करप?

एदी जन चेडुवांक चोंव्याक
“आयाक” (चेडा चोंव्दी)
रबेय्ताय। तेचिवरी तन्नि (चेडुव)
आवसु - बप्सूक प्राय जत्तना
“नर्साक” (Home Nurse)
रबोवु सेवा-शुश्रूषा करेताति।
तन्नि कोर्चि चूकि वे ? संगाय
तंकाय (तुम्गेलावरी) तंगतंगेले
काम ना वे ?



!!! वोय्लेले न्हय्वें किल्लेतले !!!

With best compliments from :

Anil S. Shenoy



KONKAN

CATERING

Pullattukurinjikattil, Kumaranalloor,
KOTTAYAM - 686 016

Mob : 9400610682, 8893799484

E-mail : anilsivanandashenoy@gmail.com

Catering services in
different manner for different occasions
Home made food door to door services



विश्व कोंकणी केंद्र, मंगळूर
WORLD KONKANI CENTRE, MANGALORE

विश्व कोंकणी बाल साहित्य माळा

कोंकणी - इंग्लीश सचित्र बाल साहित्य



तीन मासळिची काणी

सिंडरेला

तेनाली रामा आनी अहंकारी

राय

नीळ कोलो

चतुर पूत

भक्त भिकारी

कुंकडालें उपाय

बदकाचें कुरूप पील

बुदबुती म्हालगडी पक्षी

एकवटेचे बळ

गणेश

जेजू क्रिस्त

म्हो व्हायिट आनी सात

टेंगणे

तेनाली राम आनी ज्ञानी

पंडीत

तेनाली रामान चोरंगक बुद्ध

शिकयली

म्हान हत्ती

मिठायेंचे परमळाचें मोल

आंव्या रुख कोणाचो ?

दुरुट मंडकावळो

देव खंय आसा ?

बुदवंत विंदूर

आशा शारांतल्यो गुर्वज्यो

लोखंड खावपी विंदूर

स्वामिनिष्ठ मुंगूस

चालाख सावकार

गर्विष्ठ कावळो

सर्पसुपी चलो

अनवळख्यांचेर केन्नाय -

विश्वास करुनाका

तेनालि राम आनी एक

गर्विष्ठ ब्राह्मण

गंपुडिल

तूं
कोंकणी
वावता?



मोल:

एक पुस्तक: 35/-

30 पुस्तकांचे सलग मोट: 750/-

SHOP ONLINE AT



www.vishwakonkani.org